सावधानी हटी दुर्घटना घटी

मेरा नाम सीमा चौधरी है, मै एक पंजाबी परिवार से हूं. रंग गोरा हलके धूप से भी मेरी तव्चा लाल पड़ जाती है. गुलाबी होंठ, सांचें मे ढला बदन, खुबसूरत चेहरा, लम्बे बाल. मै अपने शहर की सबसे सुन्दर लड़कियो मे से एक हूं. घर मे एकलौती होने के कारण मै प्रवत्ति से जिद्दी हूं. पापा के इलावा किसी से नही डरती. १८ साल के होते ही मेरे घर वालो ने मुझे कार चलाने की छुट दे दी. पर तभी जब बड़े आस पास हो. अकेले ले कर जाने की मनाही थी.

एक दिन मेरे फ्रेंड का जन्मदिन था तो मैने घर वालो से जिद की कि मुझे कार लेकर जाना है. सब ने मना किया पर मै जिद्द पकड़े रही. आखिर में मम्मी न कहा ले जाओ पर पापा के आने से पहले आ जाना. मै खुशी खुशी कार लेकर निकल गई. मेरे घर मे माडर्न कपड़े पहनने की परमिशन नही है पर बाहर अक्सर मै माडर्न कपड़े पहन लेती हूं. होता ये है कि घर से मेन मार्केट २२ कि.मी. है. तो पापा या घर वालो के आने का चांस नही रहता. घर से सलवार सूट मे जाती हूं और फ्रेंड के घर चेंज कर लेती हूं. उस दिन भी मैने ऐसा ही किया. घर से सिम्पल कपड़ो मे निकली और माडर्न कपड़े साथ मे रख ली. शहर जाने के लिए दो रास्ते है, एक जो मेन रोड है और एक बाई पास रोड है जो सुनसान रहता है. मैने कार उधर मोड़ ली. रास्ते मे मैने कार रोक कर कपड़े चेंज कर लिया. मैने एक टाप और शोर्ट पहना. क्योकि टाप बिना कंधो और बांही का था तो मैने ब्रा भी उतार दी. सब कपड़ो को एक पन्नी मे डाल कर पिछे के सीट पर डाल दिया. फ्रेंड के घर पहुंची, फ्रेंडस को लिया, लाग ड्राईव पर गये, होटल मे रूक कर नाश्ता किया और फिर फ्रेंडस को घर छोड़ कर वापसी के लिये रवाना हुई. जब बाई पास रोड में पहुंची तो मम्मी का काल आ गया कि शायद पापा घर पहुंचने वाले है. मारे डर के मेरे पसीने छुट गये. मैने कार की स्पीड बढ़ा दी. रास्ते मे कपड़ो का खयाल आया तो मैने सोचा कि सबसे पहले कपड़े चेंज किया जाये. मैने चलती कार में टाप उतार कर कार की खिड़की पर रखा और पुछे मुड़ी कि कपड़ो का पन्नी उठाऊं पर सीट पर पन्नी नही था. मारे डर के हालत खराब हो गई. मै वापस पलटी तो खिड़की पर रखा मेरा टाप उड़ गया. उसको पलट कर देखा मैने फिर गाड़ी रोकने की सोची. जैसे से सामने देखी तो एक आदमी बाईक से आ रहा था, मेरी कार लहराई को उसकी बाईक को साईड से ठोकर लग गई. वो रोड पर ही गिर पड़ा. मैने कार रोकने के बजाए स्पीड बढ़ा दी. तभी मम्मी का काल आया कि मै लेट से आ सकती हूं कि पापा नही आ रहे. न पहनने के लिए कपड़े थे न ही कुछ पहना थ मैने, जो था वो भी उड़ गया था, ऊपर से ये एक्सीडेंट. मै यही सोच रही थी कि मैने देखा कि वो जो बाईक वाले का एक्सीडेंट हुआ था वो तेजी से आ रहा था. तभी मम्मी का काल आया कि मै लेट से आ सकती हूं कि पापा नही आ रहे.

मेरे होश गुम हो गये. मैने कार की स्पीड और बढ़ा दी. थोड़े देर तक मै स्पीड से कार चलाती रही तभी आगे एक बाईक रोड के बीच मे खड़ी देखी और बाईक का मालिक रोड के बीच मे खड़ा था और रुकने

का ईशारा कर रहा था. आदमी पहचानते ही मेरी तो हालत और खराब हो गई. वो एक ट्राफिक इंस्पेक्टर था. अब तो गाड़ी रोकना मजबूरी हो गई. मैने कार का शीशा चढ़ाया और कार साईड करके रोक दी. इंस्पेक्टर मुझे वही से एक बोर्ड दिखा रहा था जो स्पीड लिमिट ४० कि.मी. का था और बाहर आने का ईशारा कर रहा था. मैं सोच ही रही थी कि क्या करूं वैसे ही वो आदमी जिससे एक्सीडेंट हुआ था इंस्पेक्टर के पास आकर रुका. वो बाईक से उतरा और इंस्पेक्टर के पास जाकर बातें करने लगा. २ मिनट बात करने के बाद दोनो कार की खिड़की तक आये और खिड़की खटखटाने लगे. मैने कार अंदर से लाक करके बैठी रही. २ मिनट खिड़की खटखटाने के बाद इंस्पेक्टर ने चिल्लाना शुरू कर दिया. अब मेरी दिक्कत कि बिना कपड़ो के निकलू कैसे. इंस्पेक्टर ने एक मिनट कार को देखा और अपने पास से एक चाबी का गुचछा निकाला. उसने दो ही चाबी किया कि कार का गेट खुल गया. उसने एक झटके से दरवाजा खोला और अंदर हाथ डाल कर एक झटके से मुझे बांह पकड़ कर बाहर खीचा. मै खिचती हुई बाहर निकल गई. उसने बिना मुझे देखे ही दरवाजा बंद कर दिया और मेरी तरफ पलटा.

इंस्पेक्टर जैसे ही पलटा एक झटका सा लगा उसे. मै डर के मारे ये भूल गई थी कि कमर के ऊपर मैने कुछ नही पहना हुआ है. मेरे स्तन एक दम नंगे हैं. और मेरी शार्ट इतनी छोटी है कि मुश्किल से मेरी पेन्टी को धक रहे है. इंस्पेक्टर तो मुंह खोले मुझे देख ही रहा था और वो आदमी जिसकी बाईक टकराई थी वो भी मुंह खोले मुझे देख ही रहा था. अचानक मुझे अपनी हालत का अंदाजा हुआ और मैने अपने हाथो से अपना स्तन छुपाने की कोशिश करने लगी. इंस्पेक्टर ने मुकुरा कर कहा, "बको?" मैने एक ही सांस मे सारा वाक्या सुना दिया. उसने मुझे लायसेंस दिखाने को कहा. मैने धीरे से कहा कि नही है. उसने मुझे प्यार से कहा, "फिर कैसे करें, अब तो मुझे आपको अरेस्ट करना पड़ेगा और आपके पापा से ही बात करनी होगी." मै डर से थर थर कांपने लगी. मैने झिझकते हुए कहा, "इंस्पेक्टर साहब कुछ ले देकर मामला रफा दफा किजीए." इंस्पेक्टर ने मुझे गुस्से से देखा. फिर प्यार से बोला, "कितने में रफा दफा करे?" मैने कहा, "३ हजार है मेरे पास." इंस्पेक्टर ने कहा, "कम है, १०००० लगेंगे." मैने कहा, "इतने तो नही है मेरे पास." इंस्पेक्टर ने कहा, "तब तो अरेस्ट करना पड़ेगा." मैने कहा, "प्लीज इंस्पेक्टर साब कुछ एडजेस्ट किजीए." इंस्पेक्टर ने थोड़ा सोचा फिर कहा, "अच्छा हाथ निचे कर." मै समझ गई कि इंस्पेक्टर की नियत खराब हो रही थी. ताजुब्ब वाली कोई बात भी नही थी, मुझे देख कर तो किसी की भी नियत खराब हो सकती थी. और फिर मेरी हालत तो नियत खराब करने वाली ही थी. मैने झिझकते हुए हाथ निचे कर लिया. इंस्पेक्टर मेरे पास आ गया और मेरे दोनो स्तनो को अपने दोनो हाथो मे पकड़ कर सहलाने लगा. इंस्पेक्टर ने कहा, "अब तुम कह रही हो तो एडजेस्ट करते है." इंस्पेक्टर ने उस आदमी को देख कर कहा, "चल बे, तु निकल." उस आदमी ने कहा, "वाह इंस्पेक्टर मैने केस दिया मुझे ही भगा रहे हो." इंस्पेक्टर ने कहा, "जाता है कि लगाउं दो हाथ और लगा दूं कोई दफा." उस आदमी ने कहा, "इंस्पेक्टर साहेब काहे को नाराज होते हो. कुछ ले लो मुझसे और मुझे भी चांस दे दो इस छुकरिया के साथ." इंस्पेक्टर ने थोड़े देर में कहा, "३००० लगेंगे?" उस आदमी ने कहा,

"इंस्पेक्टर साहेब, ५००० दे दुंगा इस छुकरिया के लिए, मा कसम ऐसा माल आज तक नही देखा." इंस्पेक्टर ने कहा, "मेरे बाद नम्बर लगेगा तेरा, चलेगा?" उसने कहा, "चलेगा साब क्या दौड़गा." इंस्पेक्टर ने मुझे देखा और कहा, "तुझे तो चलेगा न." मैने होले से सर हिला दिया. इंस्पेक्टर ने मेरे शार्टस को पकड़ कर मेरी पेन्टी के साथ निचे खुस्का दिया. अब मै पुरी तरह से नंगी हो गई थी.

इंस्पेक्टर ने पुछा, "पता है न रानी कि हम लोग तेरे साथ क्या करने वाले है." मैने हौले से सर हिला दिया. इंस्पेक्टर ने पुछा, "पहले किसी से करवा चुकी है या पहली बार है." मैने सर झुका कर कहा कि पहले कर चुकी हूं. इंस्पेक्टर ने कस कर मेरी स्तनो को मसला और कहा, "किसके साथ?" मैने हौले से कहा, "पहली बार स्कूल के एक फ्रेंड के साथ." इंस्पेक्टर ने फिर पुछा, "वाह छोकरिया स्कूल से ही चुदाई की प्रेक्टीस कर रही है. पहली बार मतलब और भी कई बार हो चुका है." मैने हौले से सर हिलाया. इंस्पेक्टर ने एक बार फिर कस कर मेरी स्तनो को मसला पुछा "किस किस के साथ?" मैने धीरे से कहा, "एक भाई का फ्रेंड था उसके साथ." इंस्पेक्टर ने कहा, "क्या जमाना आ गया है, दोस्त की बहन को अपनी बहन समझने के बजाय लोग उस पर ही हाथ साफ कर देते है." उसने फिर पुछा, "और?" मैने होले से फिर कहा, "एक कजिन था, उसके साथ." इंस्पेक्टर ने फिर कहा, "कजिंन मतलब तो भाई होता है न, साली तु तो पुरी रंडी निकली, भाई से भी चुद गई है. कही अपने सगे भाई से से तो नही चुदवा ली न?" मैने कहा नही. इंस्पेक्टर ने कहा, "कितने बार?" मैने धीरे से कहा, "एक एक बार." इंस्पेक्टर मुस्कुराया और बोला, "चल तेरी सील टुट गई है तो ज्यादा परेशानी नही होगी. तेरे को तेरी कार के पीछे वाले सीट में चोदेंगे. पहले मै चोदुंगा फिर ये भाई साहब चोदेंगे. फिर तु घर चली जाना." मैने सर हिला दिया. उस आदमी ने कहा, "इंस्पेक्टर साब थोड़ा जल्दी करो." इंस्पेक्टर ने कहा, "कर रहा हूं यार, पहले इस रांड के बदन का मुआयना तो कर लूं. सहला मसल लुं, थोड़ा चूम चाट लुं. फिर करते हैं कार्यक्रम चालू."

इंस्पेक्टर ने मेरे स्तनो को अच्छे से मसलना शुरू किया. वो मेरे निप्पल को भी उमेठ देता. फिर उसने मेरे निप्पल को मुंह मे लेकर चुसना और काटना शुरू किया. उसने अपने हाथो को निचे ले जाकर मेरे चुत्तड़ो पर रख दिया और मेरे चुत्तड़ो को अच्छे से दबाने लगा. मेरे चुत से पानी आने लगा था और बदन भी अकड़ने लगा. इंस्पेक्टर ने मेरे गले और गालो को चुमते हुए मेरे होठो को चुमना शुरू किया. वो होंठो को चुम कम और चबा ज्यादा रहा था. जैसे ही उसने मेरी चुत पर हाथ लगाया तो चौंक पर बोला, "साली रांड, गरम हो गई है." उसने कार के पीछे का गेट खोला और मुझे अंदर ढकेल दिया. मैं पिछली सीट पर चित लेट गई और इंस्पेक्टर ने अपने कपड़े खोलना शुरू किया. उसने सारे कपड़े उतार कर कार की छत पर रखा और अंदर आ कर मेरे उपर लेट गया. मुझे अच्छी तरह से बांहो मे लेकर कुछ देर तक मेरे गले, स्तनो और होठो को चुमता चाटता रहा फिर उसने निचे हाथ लगा कर अपने लण्ड को मेरी चुत पर स्थिर किया. उसने ताकत लगाया और एक झटके से अपना लण्ड मेरी चुत मे घुसा दिया. अपनी लाईफ का

सबसे मोटा और लम्बा लण्ड था वो. मैं दर्द से छटपटाने लगी और कराहने भी लगी. इतना दर्द हो रहा था जितना मुझे पहली बार में नहीं हुआ था. मेरी छटपटाहट देख कर इंस्पेक्टर ने कहा, "मादरचोद, तु तो ऐसे छटपटा रही है कि तेरी सील तोड़ रहा हूं. साली पहले भी तो चुद ही चुकी है फिर क्यों छटपटा रही है." मैने कराहते हुए कहा, "इंस्पेक्टर साब, आपका बहुत बड़ा और मोटा है." इंस्पेक्टर हंसा और बोला, "सही बोल रही है, वैसे भी आज कल के लौडो के लवड़ो मे दम कहा रहता है. साले दो दो इंच क लण्ड ले कर घुमते है. और छोकरिया भी उसी मे खुश हो जाते है." इंस्पेक्टर ने धीरे धीरे धक्के लगाना शुरू किया. अपने एक हाथ से मेरे चुत्तड़ो को अच्छे से दबा रहा था और दुसरे हाथ से मेरे स्तनो को मसल रहा था. साथ मे मेरे होंठो और गले को चुम चाट रहा था. धीरे धीरे उसने धक्को की गति बढ़ानी शुरू की. मुझे काफी परेशानी हो रही थी तो मैने अपने एक था से सीट के उपर के हिस्से को पकड़ लिया और एक हाथ को सीट के निचे डाल दिया. तभी मुझे लगा कि वहां पन्नी रखी हुई है. मुझे पता चल गया कि शायद बैठते समय किसी फ्रेंड ने इसे सीट के निचे डाल दिया होगा. मैने राहत की सांस ली. पर शायद ये राहत इंस्पेक्टर ने महसूस कर ली थी. इंस्पेक्टर ने धक्को की गति और बढ़ानी शुरू की. मुझे इतने तेज़ी से धक्के लगा रहा था कि मिनट दर मिनट मै उपर की तरफ खसकते जा रही थी. आखिरकार एक समय आया जब इंस्पेक्टर ने मुझे कस कर बांहो मे जकड़ लिया. वो पानी छोड़ने वाला था. इंस्पेक्टर ने कांडम भी नही पहना था. मैने गिड़गिड़ाते हुए कहा, "इंस्पेक्टर साब! अंदर नही मै प्रेग्नेन्ट हो जाऊंगी." इंस्पेक्टर ने गुर्राते हुए कहा, "साली वेश्या, मुझे मत सिखा, मै जब भी किसी को चोदता हूं अंदर ही डालता हूं." इतना कहते ही वो अंदर ही पानी छोड़ने लगा. जब पुरी तरह से शांत हुआ तो उसने सीट के निचे हाथ डाला और पन्नी खींच कर बाहर निकाला. उसने पन्नी से कपड़े निकाले और थोड़े देर तक देखता रहा. फिर उसने बाकि कपड़े तो अंदर रख दिया पर ब्रा लेकर बाहर निकला. मैं उठ कर बैठ गई. इंस्पेक्टर ने आराम से कपड़े पहने और मेरी ब्रा को जेब मे रखते हुए बोला, "तेरी ब्रा लिये जा रहा हूं निशानी के तौर पर." मैने कुछ नही कहा और वो बाईक पर जा बैठा. उसने उस आदमी को बुलाया और उससे पैसे लिये और बाईक स्टार्ट करके निकल गया.

वो आदमी कार गेट तक आया और कपड़े उतारने लगा. मैने कहा, "हैलो! क्या? क्या कर रहे हो?" उसने मुसुराते हुए कहा, "तुझे चोदने के लिए पैसे दे कर आ रहा हूं, बस मै भी अपना कार्यक्रम चालू कर रहा हूं." मैने गुर्राते हुए कहा, "ओ हैलो, वो इंस्पेक्टर गया, अब तो तेरे को हाथ भी नही लगाने दुंगी, चल निकल. वैसे भी इंस्पेक्टर ने अंदर ही गिरा कर मेरा मूड खराब कर दिया है." मैने सोचा कि वो इस झिड़क से डर कर चला जायेगा. उसने कहा कुछ नही बस

कार के पिछे गया और पेन से कार का नम्बर नोट किया. फिर वापस आ कर बोला, "ठीक है, मैं पुलिस स्टेशन जा कर कार का नम्बर दे देता हूं. कि ये कार मुझे ठोक कर भागी है. फिर अदालत में मिलते है. तेरा बाप भी साथ में आयेगा. तेरे बदन पर कहां कहां क्या निशान है देख तो चुका ही हूं. तेरे बाप को बोल दुंगा कि तुझे कई बार चोद चुका हूं और सबूत मे निशान बता दुंगा." मुझे पसीना आ गया, मैने हौले से कहा, "मैं मजाक कर रही थी, अपना कार्यक्रम चालू कर सकते हो." उसने कहा, "हो गया, निकल गई होशियारी, चल अब बाहर आ और घुटनो के बल बैठ कर मेरा लण्ड चूस, फिर मैं तेरी गांड़ मारूंगा और फिर इत्मिनान से चोदुंगा." मै धीरे से कार से बाहर निकली. एक गंदा कपड़ा निकाल कर जमीन पर बिछाई और घुटने उस पर टीका कर बैठ गई. मैने अपने हाथो मे उसका लण्ड लिया और धीरे धीरे सहलाने लगी. फिर धीरे से उसका लण्ड अपने मुंह में लिया और चुसने लगी. स्वाद बिल्कुल खराब था पर जैसे तैसे चुसती रही. दो मिनट के बाद उसने रोका और मुझे खीच कर कार के सामने ले गया. उसने मुझे बोन्ट पर पेट के बल लिटाया और मेरी टांगे चौड़ी कर दी. उसका लण्ड थूक से अभी भी गिला था, उसने एक झटके से मेरी गांड़ के छेद पर अपना लण्ड रखा और अंदर घुसा दिया. जैसे ही लण्ड अंदर गया मैं दर्द से तड़प उठी. आज तक किसी ने मेरी गांड़ नही मारी थी. जैसे ही थोड़ा उठी उसने पीछे से मेरे दोनो स्तनो को पकड़ लिया और कस कस कर मसलने लगा. फिर उसने धक्के लगाना शुरू किया. साथ मे बड़बड़ा रहा था, "साली होशियारी करती है, अब पता चला मुझसे पंगा लेने का अंजाम." वो लगातार धक्के लगाता रहा और फिर अंदर पानी छोड़ कर उठा. इतने देर मे उसने मेरी स्तनो को मसल मसल कर लाल कर दिया था. उसने मुझे सीधा किया और फिर कार के पिछले सीट पर बैठने को कहा. मै अंदर जा कर बैठ गई. उसने अपने कपड़े कार के अगले सीट पर डाला और बाईक को साईड खड़ा करके कार के पिछले सीट पर आ गया.

वो मेरी बगल में बैठ गया और अपने लण्ड को मेरे हाथ में पकड़ा कर सहलाने को बोला. मैने पुछा किस लिये तो उसने कहा, "अभी तेरी चुत कहां चोदा हूं. उसे भी तो चोदना है." मैने उसका लण्ड पकड़ कर सहलाने लगी और होले से कहा, "तुम अंदर पानी मत छोड़ना." उसने मेरे एक स्तन को पकड़ कर कहा, "पानी तो अंदर ही छोड़ूगा, पर डर मत एक गोली का नाम लिखकर दुंगा कि तु पेट से न हो जाये." मैने कुछ नही कहा और उसने मेरे निप्पल चुसना शुरू किया. ५ मिनट मे उसके लण्ड में गर्मी आ गई और उसने मुझे सीट पर लिटा दिया और मेरी टांगे फैला कर अपना लण्ड मेरी चुत में डाल दिया. वो मेरे ऊपर ही लेट गया और धक्के लगाना शुरू किया. धीरे धीरे धक्को का वेग बढ़ता गया और एक समय आया कि उसने अंदर अपना

पानी छोड़ दिया. वो कार से निकला और कपड़े पहनने लगा. मै भी कार से निकली, रूमाल से खुद को साफ की और कपड़े पहनने लगी. पेन्टी पर सलवार पहनी, और उपर मे सिर्फ समीज क्योकि ब्रा तो इंस्पेक्टर ले गया था. उसने मुझे एक कागज पर एक गोली का नाम लिख कर दिया और कहा कि ४८ घण्टे मे कभी भी खा लेना, गर्भवती नही होगी. इतना कह कर वो निकल गया और मै कार स्टार्ट करके आगे बढ़ गई.

रास्ते मे एक मेडिल शाप दिखाई दी तो मैने गाड़ी रोक दी. मै शाप में गई और वहां एक आदमी बैठा था. मैने उसे पर्ची दी और उससे वो गोली मांगी. उसने नाम देखा फिर मुझे गौर से देखा फिर कार को देखा और पुछा, "तुम चौधरी साहब की बेटी हो न?" मेरे तो होश ही उड़ गये. मै सोच भी नही सकती थी कि ये आदमी मेरे पापा को जानता होगा. उसने आगे पुछा, "तुम्हे ये गोली क्यो चाहिए?" मैने लड़खड़ाते हुए कहा, " वो मेरी एक फ्रेंड को चाहिए था." उसने कहा, "चौधरी साहब से पुछ लेता हूं फिर दे दुगा." उसने मोबाईल उठाया था कि मै बोल पड़ी, "प्लीज पापा को कुछ मत कहिएगा." उसने मोबाईल निचे रखा और कहा, "ठीक है, मै एक की जगह दो गोली दे देता हूं. एक अपनी फ्रेंड को खिला देना और एक खुद खा लेना." मैने धीरे से कहा, "मैं क्यों खाऊंगी?" उसने कहा, "क्योकि कीमत वसूले बिना मेरा मुंह बंद नही होता. तु अंदर चल मैं कीमत वसूल लेता हूं." उसकी उमर मुझसे काफी ज्यादा थी ३० ३५ का होगा. और मुझे चोदने को कह रहा था. पर मेरी तो हालत बुरे फंसे वाली थी. वो काऊंटर से बाहर आया और मेरे कमर में हाथ डाल कर अंदर ले गया. अंदर एक स्टोर रूम था जहां साईड में एक गद्दा बिछा था. अंदर घुसते ही उसने दरवाजा बंद किया और मुझे कपड़े उतारने को बोला. मैने झिझकते हुए समीज उतार दी. मेरे स्तनो को गौर से देख कर बोला, "स्थिति बता रही है कि तु अभी जम कर चुदवाई है. बहन की चुत ये क्यों नही बोलती कि खुद को खाना है. चौधरी साहब भी न जाने क्या खा कर बेटी पैदा की है कि जन्नत की हूर हो गई है. वैसे तेरी मां भी कम जोरदार नही है. चल जल्दी से नीचे के कपड़े ऊतार." मैने झिझकते हुए सलवार और पेन्टी भी उतार दी. वो पास आया और मेरी चुत मे उंगली घुसा दी. उसने धीरे से कहा, "बहन की चुत एक से ज्यादा लोगो से चुदवा कर आ रही है. चल जा गद्दे पर लेट जा." मै गद्दे पर जा पर लेट गई और वो कपड़े उतार कर आ गया. उसने मेरे माथे से चुमना शुरू किया. एक एक रोऐं को आराम से चुमा, माथे से गले तक, फिर स्तनो को फिर पेट तक, फिर जाघो को, फिर पैरो को. फिर मेरे उपर लेट कर मेरे निप्पल को चुसने लगा. ५ मिनट तक लगातार एक ही निप्पल को चुसता रहा फिर ५ मिनट तक लगातार दुसरे निप्पल को चुसता रहा.

मैने हौले से कहा, "आप थोड़ा जल्दी करेंगे?" उसने मुझे देखा और कहा, "मादरचोद अभी तो दो चार लण्ड से चुद कर आई है, अभी भी इतनी आग बची है कि जल्दी मची है." मैने कुछ नही कहा और वो मेरी टांगे फैला कर अपना लण्ड मेरी चुत मे घुसा दिया. लण्ड उतना बड़ा नही था पर उसका बदन का वजन बहुत था. मेरी सांस रुकने सी लगी थी. उसने नौसिखियो कि तरह जल्दी जल्दी धक्के लगाना शुरी किया. मुझे तो उसके स्टाईल से हंसी आ रही थी. मैने धीरे से पुछा, "आपकी वाईफ नही करने देती है क्या?" उसने भी धीरे से कहा, "बहुत पहले से बंद कर दी है छिनाल, और मुझे उसके साथ मजा भी नही आता, जब कालेज कि छुक्करिया चुत मरा कर आती हैं गोली लेने तो उनको चोद कर मजा ले लेता हूं. अब जो मजा १८ साल कि छुक्करिया के टाईट चुत मे है वो उस बुढिया के भोसड़े मे कहां." मैने फिर पुछा, "कितनी लड़किया के साथ कर चुके हो आप?" वो बोला, "हफ्ते मे दो छुक्करिया तो मिल ही जाती है. कभी कभी किस्मत रहती है तो १०वी १२वी की स्कूल कि छुक्करिया भी मिल जाती है." मैने पुछा, "स्कूल कि लड़किया, उनको परेशानी नही होती." वो बोला, "चुत मरा कर तो आती ही है, बस मै चुत कुछ चौड़ा कर देता हूं." धक्को की गति तेज थी, लण्ड छोटा था पर स्टेमना काफी था. इतने देर से बात कर रहा था बुढ्ढा पर अभी तक टपका नही था. उसने मेरी निप्पल को कस कर चुसा. तो मैने पुछा, "जवानी मे भी ऐसे ही थे, आशिकमिजाज." उसने हंस कर कहा, "हां, और तुझे पते की बात बताऊं. जवानी में तेरी मां की चुत ती बहुत प्यास बुझाया हूं. कम बड़ी वाली छिनाल नही थी वो, अपने मोहल्ले के ४ मर्दो से चक्कर था, फिर नौकरो से भी चुत मराती थी और अक्सर मै भी कसर निकाल ही लेता था." मैने जोश में कहा, "मैं नही मानती?" उसने मेरे निप्पल को काट कर कहा, "कभी अपनी मां को कहना कि खन्ना अकंल दवा दुकान वाले कुछ बता रहे थे शादी वाली बात, बोल रहे थे कि गिफ्ट देना है तुम्हारे पापा को." इतने मे वो चरम पर पहुंचे और पानी छोड़ दिये. वो उठे और मुझे उठाया और बाथरूम दिखाया. मै नहा कर निकली और थोड़ा सा मेकअप कर ली. फिर कपड़े पहनने लगी. उसने मुझे एक गोली का पत्ता दिया और एक गोली अलग से पानी से साथ दिया. मैने गोली खा ली तो उसने कहा, "जब ये पत्ता खत्म हो जाये तो आ जाना मेरे पास. कीमत वसूल कर एक पत्ता और दे दुंगा."

मैने पुछा, "क्या शादी वाली बात?" उसने कहा, "कुछ नही, तेरी मां मेरी शादी मे आई थी, ३ लफंगो को उकसाने लगी चुत मराने के लिए. तीनो के साथ एक कमरे मे घुस गई. तीनो ने पहले कस कर चोदा तेरी मां को और फिर ६-७ लड़को को और बुला लाए. एक लड़का विडियोग्राफर था तो रात भर लड़को ने तेरी मां को चोदा और ब्लू फिल्म भी बना ली. सुबह मेरे फ्रेंड को पता चला तो उसने लड़को से ब्लू फिल्म की सी डी छीन ली और तेरी मां को ब्लैकमेल करके खुद भी चोदने लगा और अपने दोस्तो को भी परोसने लगा. जब मुझे पता चला तो एक कापी मैने भी ले ली. अब किसी के पास कापी तो नही बची पर मैने सम्भाल कर रखा है." उन्होने एक कापी निकाल कर मुझे भी दी और कहा, "तेरी मां अगर कोई नौटंकी करे तो नकेल डाल देना." उसने एक छोटे से टी वी पर मुझे जल्दी जल्दी मां की ब्लू फिल्म दिखाई. वो सच बोल रहे थे. मै वहा से निकल कर घर को रवाना हुई.

घर पहुंची तो पापा नही आये थे. मम्मी ने कुछ नही कहा तो मै सीधे कमरे मे चली गई. मैने जल्दी से सी डी छुपाई और, बिस्तर पर लेट गई. थोड़े देर बाद मम्मी आई और मुझे उठाया. उन्होने एक झटके से मेरे पेन्टी मे हाथ डाला और मेरी चुत को छुने लगी. मुझे एक झापड़ मार कर बोली, "साली छिनाल, चुत मरा कर आ रही है, रुक तेरे पापा को आने दे तो तेरी खबर लिवाती हूं." अब मम्मी से डर खतम हो गया था. मैने होले से कहा, "खन्ना अंकल मिले थे, शादी वाली बात बता रहे थे?" मेरी मां का चेहरा पीला पड़ गया. मैने आगे कहा, "चुत मरा कर आ रही हूं पर डरो मत, ब्लू फिल्म नही बनवाई हूं." मां के तेवर एक दम बदल गये, "सुन न रानी बेटी, अभी तो उमर है चुत मराने की, मरा ले चुत जितना मराना है, मै कुछ नही बोलुंगी, बस पापा से कुछ मत कहना." मैने सर हिला दिया और वो चली गई. अब नई आजादी का एह्सास होने लगा था. मैने सोच लिया, अब तो सावधानी हटती रहेगी और इसी टाईप की दुर्घटना घटते रहेगी. अब मै अक्सर सुनसान सड़क पर कार से जवान मर्दो की बाईक को ठोकती रहूंगी.

भविष्य मे और भी अनुभव रहे पर वो फिर कभी, मुझसे सम्पर्क आप इस ई मेल पर कर सकते है: seema.delicious@gmail.com